



विभाग १ - गद्य

Q1) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

(8)

एक छोटे-से घर में दादी माँ रहती थीं। यों तो वह निपट अकेली थीं फिर भी घर आबाद था उनका। रोज सुबह दादी माँ उठतीं। घर बुहारतीं-सँवारतीं। आँगन में आसन धरतीं, खाना बनातीं खातीं। परिवारजनों से बतियातीं। रात होती, सो जातीं। दिन मजे में गुजर रहे थे। परिवारजन फल-फूल रहे थे।

अब सुनो परिवार की कहानी। दादी माँ थीं- समझदार, सयानी। घर के आँगन में बरगद का पेड़ था। उसपर घोंसला बना था। घोंसले में रहती थी चिड़िया। वह दादी माँ की थी संगिया। चिड़िया का नाम था नीलू। सुबह उठ दादी आँगन बुहारतीं। नीलू फुदकती - चिंचियाती। दादी माँ से बतियाती।

एक और थी दादी माँ की साथिन- चिंकी चुहिया। पेड़ के नीचे बिल बनाकर रहती। दिन भर घर में उसकी दौड़ लगती। यह थी दादी माँ की दीन-दुनिया। दादी माँ, चिड़िया और चुहिया। वे सब यदि होतीं खुश, तो दादी माँ भी रहतीं खुश। दादी माँ हुईं कभी दुखी तो वे भी नहीं रहती थी सुखी।

ठंडी के दिन थे। उन्हीं दिनों नीलू चिड़िया ने अंडे दिए। उनमें से निकले दो बच्चे। नन्हे, सुंदर, अच्छे- अच्छे। टीनू - मीनू नाम निकाला। सबने मिलकर पोसा-पाला। चिंकी को दो बेटों के उपहार मिले। चुसकू - मुसकू थे बड़े भले। दादी माँ उनका खयाल चुसकू-मुसकू रखतीं। उनसे मन बहलातीं। स्नेह - प्यार से वह दुलारतीं। रोने लगते तो पुचकारतीं। चारों बच्चे घर- आँगन में दौड़ लगाते। हँसते-खेलते और खाते-गाते।

(1) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(2)

(1) दादी माँ एक घर में रहती थीं।

(2) जब दादी माँ दुखी होतीं, तो और भी सुखी नहीं रहती थीं।

(2) निम्नलिखित वाक्य सही है या गलत लिखिए :

(2)

(1) नीलू चिड़िया का घोंसला घर के बरगद के पेड़ पर था।

(2) चिंकी चुहिया दादी माँ की बेटा थी।

(3) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए :

(2)

(1) दादी माँ का संगिया कौन था और उसका क्या नाम था?

(2) चारों बच्चे घर-आँगन में क्या करते थे?

(4) निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :

(2)

मन को बहलाना

विभाग २ - पद्य

Q2) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

(6)

छेदकर काँटा किसी की उँगलियाँ,
फाड़ देता है किसी का वर वसन,
प्यार डूबी तितलियों के पर कतर,
भौर का है वेध देता श्याम तन ।।

फूल लेकर तितलियों को गोद में,
भौर को अपना अनूठा रस पिला,
निज सुगंध 'औ' निराले रंग से,

है सदा देता कली जी की खिला ।।

है खटकता एक सबकी आँख में,

दूसरा है सोहता सुर सीस पर,
किस तरह कुल की बड़ाई काम दे,
जो किसी में हो बड़प्पन की कसर ।।

(1) चौखट पूर्ण करो :

(2)

काँटा क्या करता है।

(1)

(2)

(2) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए :

(2)

(1) किसे छेदकर काँटा उँगलियों में और वर्षा का वस्त्र फाड़ देता है?

(2) भगवान के सिर पर कौन सजता है?

(3) निम्नलिखित शब्द के विरुद्धार्थी शब्द लिखिए और अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

(1)

छोटा x

(4) कविता में आए लयात्मक शब्दों को ढूँडकर लिखिए :

(1)

विभाग ३ - भाषा अध्ययन (व्याकरण)

Q3) सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

(6)
(1)

(1) निम्नलिखित वाक्य में विशेषण के भेद पहचान कर लिखिए

मोहन बहुत बुद्धिमान है।

(2) निम्नलिखित वाक्य में संज्ञा के भेद पहचान कर लिखिए

(1)

भारत के लोग त्योहार धूमधाम से मनाते हैं।

(3) निम्नलिखित वाक्य में संज्ञा पहचान कर लिखिए

(1)

विमल का जन्मदिन अगले महीने है।

(4) निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए

(1)

आग में घी डालना

(5) निम्नलिखित वाक्य में सर्वनाम के भेद पहचान कर लिखिए

(1)

मेरा विश्वास करो।

(6) निम्नलिखित वाक्य में सर्वनाम पहचान कर लिखिए

(1)

यह तुम्हारा घर है।

All the Best